दिनांक :- 24-07-2020

कॉलेज का नाम :- मारवाड़ी कॉलेज दरभंगा

लेखक का नाम :- डॉ॰ फ़ारूक़ आज़म (अतिथि शिक्षक)

स्नातक :- 11th (आच्छिक)

विषय :- प्रतिष्ठा इतिहास

इकाई :- तीन

अध्याय :- तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य

तीसरी-शताब्दी का संकट :- यदि पहली और दूसरी शताब्दी याँ कुल मिला कर शांति, समृद्धि तथा आर्थिक विस्तार की प्रतीक थी, तो तीसरी शताब्दी आंतरिक तनाव के पहले बड़े संकेत लेकर सामने आई। 230 के दशक से साम्राज्य ने स्वयं को कई मोर्चों पर जूझता पाया। ईरान में 225 इस्वी में अपेक्षाकृत एक अधिक आक्रामक वंश उभर कर सामने आया। (इस वंश के लोग स्वयं को ससानी कहते हैं)

और केवल 15 वर्षों के भीतर यह तेजी से फ़रात की दिया तीन भाषाओं में खुदे एक प्रसिद्ध 15 वर्षों के शिलालेख में ईरान के शासक शापुर प्रथम ने दावा किया था कि उसने 60,000 रोमन सेना का सफाया कर दिया है और रोम साम्राज्य की पूर्वी राजधानी एंटिऑक पर कब्जा में कर लिया है। इस बीच कई जर्मन मूल की जनजातियों अथवा राज्य समुदायों (जिनमें से प्रमुख एलमन्नाई, फ्रैंक और गोथ थे) ने राइन तथा डैन्यूब नदी की सीमाओं की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। और 233 से 280 तक की समूची अवधि में उन प्रांतों की पूरी सीमा बार-बार आक्रमण हुए जो काला सागर से लेकर आल्पस और दक्षिणी जर्मनी तक फैले हुए थे। रोमवासियों को डैन्यूब से आगे का क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, जबकि इस काल के सम्राट उन लोगों के विरोध लगातार युद्ध करते रहे। जिन्हें रोमवासी विदेशी बर्बर (Barbarian) कहा करते थे।

तीसरी शताब्दी में थोड़े-थोड़े अंतर से अनेक सम्राट (47 वर्षों में 25 सम्राट) सत्तासीन हुए जो इस तथ्य का स्पष्ट सूचक है कि इस अवधि में साम्राज्य को बेहद तनाव की स्थिति से गुज़रना पड़ा। लिंग, साक्षरता, संस्कृति रोमन साम्राज्य के अपेक्षाकृत अधिक आधुनिक विशेषताओं में से एक विशेषता यह थी कि उन दिनों एकल परिवार (Nuclear Family) का व्यापक रूप से चलन था। वयस्क पुत्र अपने पिता के परिवारों के साथ नहीं रहते थे और वयस्क भाई बहुत ही कम साझे परिवार में रहते थे। दूसरी ओर दासों को परिवार में सम्मिलित किया जाता था क्योंकि रोमवासियों के लिए परिवार की यही अवधारणा थी। सामान्यतः गणतंत्र के परवर्ती काल (प्रथम शती ई० पू०) तक विवाह का रूप ऐसा था कि पत्नी अपने पति को अपनी संपत्ति हस्तांतरित नहीं किया करती थी

Scanned with CamScanner

किंतु अपने पैतृक परिवार में वह अपने पूरे अधिकार बनाए रखती थी। महिला का दहेज वैवाहिक अवधि के दौरान उसके पति के पास चला जाता था, किंतु महिला अपने पिता की मुख्य अधिकारी बनी रहती थी और अपने पिता की मृत्यु होने पर उसकी संपत्ति की स्वतंत्र मालिक बन जाती थी इसी तरह रोम की महिलाओं को संपत्ति के स्वामित्व व संचालन में व्यापक कानूनी अधिकार प्राप्त थे दूसरे शब्दों में कानून के अनुसार पति पत्नि को संयुक्त रूप से एक वित्तीय हस्ती नहीं बल्कि अलग अलग दो वित्तीय हस्तियाँ माना जाता था और पत्नि को पूर्ण वैधिक स्वतंत्रा प्राप्त थी। तलाक देना आसान था और इसके लिए पति अथवा पत्नि द्वारा केवल विवाह भंग करने के इरादे की सूचना देना ही काफी था। दूसरी ओर पुरुष 28.29 30,32 की आयु में विवाह करते थे जबकि लड़कियों

Scanned with CamScanner

की शादी 16-18 व 23, 25 साल की आयु में की जाती थी इसीलिए पति और पत्नि के बीच आयु का अंतराल बना रहता था। इससे असमानता को कुछ बढ़ावा मिला होगा। विवाह तौर पर परिवार द्वारा नियोजित होते थे और इसमें कोई संदेह नहीं कि महिलाओं पर उनके पति अक्सर हावी रहते थे। महान कैथोलिक बिशप आगॅस्टीन जिन्होंने अपना अधिकांश जीवन उत्तरी अफ्रीका में बिताया था ने लिखा है कि उनकी माता की उनके पिता द्वारा नियमित रूप से पिटाई की जाती थी और जिस छोटे नगर में वे बड़े हुए वहाँ कि अधिकतर पत्नियाँ इसी तरह की पिटाई की जाती थी वे अपने शरीर पर लगी खरोंचे देखती रहती थी अंततः पिताओं को अपने बच्चे पर अत्यधिक कानूनी नियंत्रण होता था - कभी कभी तो दिल दहलाने वाली सीमा तक; उदाहरणार्थ अवांछित बच्चों के मामले।

में उन्हें जिंदा रखने या मार डालने तक का कानून अधिकार प्राप्त था। ऐसी जानकारी मिलती है कि कभी कभी पिता शिशुओं को मारने के लिए उन्हें ठंड में छोड़ देते थे।

साक्षरता की स्थिति क्या थी? यह निश्चित है कि कामचलाऊ साक्षरता की दरें साम्राज्य के ज्वालामुखी विभिन्न भागों में काफी अलग-अलग थी। उदाहरणार्थ पोम्पई नगर में जो 79 ईस्वी में ज्वालामुखी फटने से दफन हो गया था। इस बात का ठोस प्रमाण मिलता है कि वहाँ कामचलाऊ साक्षरता व्यापक रूप में विद्यमान थी। पोम्पेई की मुख्य गलियों की दीवारों पर अंकित विज्ञापन और समूचे शहर में भित्ति रेखण (graffiti) पाए गए हैं। इसके विपरीत, मिस्र में आज भी सैकड़ों पैपाइरस बचे हुए हैं जिन पर अत्यधिक औपचारिक दस्तावेज जैसे कि संविदापत्र आदि लिखे हुए हैं। ये दस्तावेज आमतौर पर व्यावसायिक लिपिकों द्वारा लिखे जाते थे। ये दस्तावेज अक्सर हमें

यह बताते है कि अमुक व्यक्ति क अथवा ख पढ़ लिख नहीं सकता। किंतु यहा भी साक्षरता निश्चित रूप से कुछ वर्गों के लोगों में अपेक्षाकृत अधिक व्यापक थी. जैसे कि सैनिक फौजी अफ़सरों और सम्पदा प्रबंधको में।

रोमन साम्राज्य में सांस्कृतिक विविधता कई रूपों एंव स्तरों पर दिखाई देता है, जैसे, धार्मिक सम्प्रदायों तथा स्थानिय देवी देवताओं की भरपूर विविधता: बोल चाल की अनेक भाषाएं वेशभूषा की विविध शैलियाँ तरह तरह के भोजन: सामाजिक संगठनों के रूप (जनजातीय और अन्य) यहाँ तक कि उनकी बस्तियों के अनेक रूप। अरामाइक निकटवर्ती पूर्व (कम से कम फरात के पश्चिम में) का प्रमुख भाषा-समूह था, मिस्र में कॉप्टिक, उत्तरी अफ्रीका में प्यूनिक तथा बरबर और स्पेन तथा उत्तर-पश्चिमी मे कैल्टिक भाषा बोली जाती थी। परंतु इसमें बहुत सी भाषा बोली जाती है